HD-05

December - Examination 2017

B.A. Pt. III Examination

आधुनिक काव्य

Paper - HD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों – अ, ब, स में विभक्त है। 'अ' खण्ड अतिलघूत्तरात्मक है, 'ब' खण्ड लघूत्तरात्मक है और 'स' खण्ड में निबंधात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघूत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का रामचंद्र शुक्ल ने क्या नामकरण किया है?

(ii) आधुनिकता से क्या आशय है?

(iii) सुमित्रानंदन पंत की लंबी कविता 'परिवर्तन' का मूल भाव लिखिए।

(iv) 'सरोज स्मृति' के अतिरिक्त सूर्यकांत त्रिपाठी की दो लंबी कविताओं के नाम लिखिए।

(v) 'अंधेरे में' नामक कविता के रचनाकार का नाम लिखिए।

(vi) अज्ञेय की बहुचर्चित लंबी कविता 'असाध्य वीणा' मूलतः किस संग्रह में प्रकाशित हुई?

(vii) 'पटकथा' नामक लंबी कविता के रचनाकार का नाम लिखिए।

(viii) 'प्रवाद पर्व' के अतिरिक्त नरेश मेहता के दो खण्ड–काव्यों के नाम लिखिए।

(ix) हरिवंश राय बच्चन को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस काव्य कृति पर मिला?

(x) 'आँसू' नामक खण्डकाव्य के रचयिता का नाम लिखिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघूत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। (शब्दसीमा अधिकतम 200 शब्द)

2) आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3) सुमित्रानंदन पतं की 'परिवर्तन' कविता के अभिव्यक्ति पक्ष पर प्रकाश डालिए।

4) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता 'सरोज स्मृति' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5) 'कुआनो नदी' कविता के अभिव्यंजनात्मक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

6) 'दो चट्टानें' कविता के अनुभूति पक्ष पर विचार कीजिए।

7) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
आत्मचेतस किंतु इस
व्यक्तित्व में थी प्राणमय अनबन

विश्वचेतस बे–बनाव।
महत्ता के चरण में था
विशादाकुल मन !
मेरा उसी से उन दिनों होता मिलन यदि
तो व्यथा उसकी स्वयं जीकर
बताता मैं उसे उसका स्वयं का मूल्य
उसकी महत्ता !
वह उस महत्ता का
हम सरीखी के लिए उपयोग
उस आंतरिकता का बताता मैं महत्व !
पिस गया वह भीतरी
औ बाहरी दो कठिन पाटों के बीच,
ऐसी ट्रैजिडी है नीच !!

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
नहीं राम !
इतिहास को भी वनस्पतियों की भांति
सम्पूर्ण मेदिनी को
शोभा और गंध होने दो,
उसे मानवीय अभिव्यक्ति का
औपनिषदिक पद दो,
व्यक्ति मात्र को
इतिहास में परिधानित होने दो
लगे कि इतिहास –
मानवीय विष्णु की कण्ठश्री
वैजयन्ती है।

9) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

यह नदी मुर्दाघाट के लिए मशहूर है।
कुआनो जाने का मतलब
किसी को फूंकने जाना है।
मेरे पिता को हर शवयात्रा में जाने का शौक था।
अक्सर वह आधी–आधी रात लौटते
और लकड़ियां गीली होने की शिकायत करते।
मां से कहते – 'कुछ लोग अभागे होते हैं
उनकी चिता ठीक से नहीं जलती
और हर अभागे की यही आखिरी कहानी
मैं आज भी सुनता हूँ।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है (शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द)

10) लंबी कविता को परिभाषित करते हुए उसकी परंपरा और विकास पर एक निबंध लिखिए।

11) 'ब्रह्मराक्षस' कविता की अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

12) 'सरोज स्मृति' नामक लंबी कविता के आधार पर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

13) नरेश मेहता के खण्ड काव्य 'प्रवाद पर्व' की संवेदना एवं शिल्प की विवेचना कीजिए।